प्रथम दिवस आवरण FIRST DAY COVER

नई दिल्ली 110001 NEW DELHI

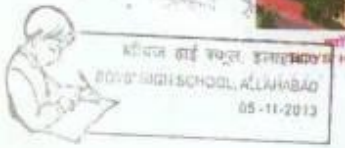

ब्वॉयज़ हाई स्कूल, इलाहाबाद
BOYS' HIGH SCHOOL, ALLAHABAD

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

ब्वॉयज़ हाई स्कूल, इलाहाबाद
BOYS' HIGH SCHOOL, ALLAHABAD

विवरणिका BROCHURE

ब्वायज़ हाई स्कूल, इलाहाबाद

ब्वायज़ हाई स्कूल, इलाहाबाद की स्थापना 5 नवम्बर, 1861 को हुई थी। इलाहाबाद शहर के मध्य में स्थित यह विद्यालय प्राचीनतम शिक्षण संस्थाओं में से एक है। प्रारंभ में यह विद्यालय अंग्रेजों द्वारा चलाया जाता था जो कि इलाहाबाद में तथा विशेषकर यूरोपियन एवं एंग्लो–इंडियन मूल के बच्चों में शिक्षा का प्रचार–प्रसार करना चाहते थे। तथापि, समय के साथ–साथ इस विद्यालय ने जाति, धर्म एवं रंग का भेद–भाव किए बिना इलाहाबाद के लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। इस विद्यालय के सदस्य अपने आदर्श वाक्य "मेंटेम होमिनीस स्पेक्टेटो नॉन फ्रंटम" का दृढ़ता से पालन करते हैं। विलियम शेक्सपीयर के इस वाक्य का शाब्दिक अर्थ है :– "ऐसी कोई कला नहीं है जो मनुष्य के चेहरे को देखकर उसकी बौद्धिक क्षमता की पहचान कर सके"।

इस विद्यालय ने फूस के छप्पर वाले दो भवनों से कक्षाएं प्रारंभ की तथा बाद में प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूते हुए इसके स्थान, ढांचे (भौतिक एवं शैक्षणिक) एवं स्थिति में कई परिवर्तन आए। प्रारंभ में इस विद्यालय में अंकगणित और व्याकरण इत्यादि विषयों के साथ–साथ यूनानी, लैटिन और फ्रेंच भाषाएं पाठ्यक्रम का एक अभिन्न हिस्सा थीं। वर्तमान में यह विद्यालय 'आईएससी' बोर्ड से सम्बद्ध है और इसके विद्यार्थियों ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के उच्चतम स्तर को प्राप्त करने के अपने वादे एवं प्रतिबद्धता को पूर्णतः निभाया है।

इस विद्यालय ने शैक्षिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पाठ्येत्तर गतिविधियों पर भी बल दिया है। तैराकी एवं जिम्नास्टिक्स में दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं। विद्यालय ने सशस्त्र बल में शामिल होने हेतु दिए जाने वाले प्रारंभिक प्रशिक्षण की अपनी पुरानी परम्परा को भी कायम रखा है। आज इस स्कूल को अपने अनेक छात्रों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में भेजने का गौरव प्राप्त है। ब्वायज़ हाई स्कूल, इलाहाबाद से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों ने न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका, रक्षा बल, सिनेमा और अन्य क्षेत्रों में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

डाक विभाग, ब्वायज़ हाई स्कूल, इलाहाबाद के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर एक स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :–

पाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विरूपण	:	नीनू गुप्ता